RUSSIA UNDER LENIN(PART-3)

For:P.G.Sem-2,CC-6,Unit-3

लेनिन ने जब सत्ता संभाली तो उसके समक्ष अनेक प्रकार की समस्याएं थी किंतु अपनी अभूतपूर्व योग्यता का परिचय देते हुए उसने इन समस्याओं के समाधान का उपाय भी ढूंढा। ये समस्याएं निम्नलिखित थी:

1. विश्व युद्ध की समस्या
2. गृह युद्ध की समस्या
3. भूमि के पुनर्वितरण की समस्या
4. ऋण की समस्या

विश्व युद्ध की समस्या

8 नवंबर 1916 को लेनिन की ओर से अनेक सरकारी आदेश जारी किए गए। यह कहा गया कि रूस युद्ध का अंत करके शांति स्थापित करना चाहता है। इसलिए वह जर्मनी की शर्तों पर सुलह के लिए तैयार हो गया **5 दिसंबर 1917** को लड़ाई बंद की गई और **3 मार्च 1918** को **जर्मनी** के साथ **ब्रेस्ट- लिटोवस्क** की संधि पर हस्ताक्षर किए गए। संधि के अनुसार उसको अपने बहुत सारे क्षेत्र छोड़ने पड़े। तुर्की साम्राज्य में रूस ने अपने सारे अधिकार छोड़ दिए और युद्ध हर्जाने के रूप में बड़ी राशि जर्मनी को देने का वचन दिया। यह संधि अत्यंत कठोर एवं रूस के लिए

Scanned with CamScanner

अपमानजनक रही फिर भी लेनिन ने रूस की आंतरिक दशा को सुधारने के लिए इसे स्वीकार किया।

गृह युद्ध का निपटारा

लेनिन के जर्मनी के साथ संधि कर लेने से मित्र राष्ट्र, रुसी सरकार के प्रति विद्वेष रखने लगे। वे चाहते थे कि रूस से बोल्शेविक शासन समाप्त हो जाए और वहां ऐसी सरकार स्थापित हो जो युद्ध जारी रख सकें। दूसरी तरफ आंतरिक परिस्थितियों में भी संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हुई क्योंकि साम्यवादी क्रांति से रूसी पूंजीवादी और बुर्जुआ वर्ग असंतुष्ट थे। प्रति क्रांतिकारियों ने **श्वेत रक्षकों(White Guards)** की टुकड़ियाँ तैयार की थी। लेनिन ने साहस पूर्वक ढंग से इस विकट स्थिति का सामना किया। उसने क्रांति विरोधी षड्यंत्र कार्यों को दबाने के लिए रूस में **दिसंबर 1917** में **चेका** नामक एक पुलिस संगठन की स्थापना की जिसके प्रथम अध्यक्ष **डर्जिन्सकी (Derzinsky)** बना। उसने काफी निर्दयता पूर्वक क्रांति के विरोधियों को दबाया और 1918 और 1922 के बीच में लगभग 13,000 व्यक्तियों को फांसी दे दी गई। लेनिन का कहना था सर्वहारा के **अधिनायकत्ववाद का अर्थ हृदयहीन लोहे की ताकत है**। बोल्शेविक के ये भयानक कारनामे इतिहास में **लाल आतंक(Red Terror)** के नाम से प्रसिद्ध है। रूस का चर्च भी बोल्शेविकों का निशाना बना क्योंकि वह जार के पक्ष में प्रचार करता था और प्रतिक्रियावादियों का केंद्र था। 5 फरवरी 1918 के

Scanned with CamScanner

आदेश द्वारा चर्च को शासन से अलग कर दिया गया। बाहय शत्रु को दबाने के लिए लेनिन ने **ट्राटस्की** की सहायता से **28 जनवरी 1918** को **लाल सेना(Red Army)** नामक एक बड़ी सेना का गठन किया फलता मित्र राष्ट्रों ने सेना के दबाव और विश्व युद्ध की थकान से रूस के विरुद्ध मोर्चे को बंद कर दिया और रुसी प्रति-क्रांतिकारियों को समर्थन देना बंद किया। इस तरह लेनिन ने गृह युद्ध की समस्या को दूर किया।

<u>जमीन और कारखानों का राष्ट्रीयकरण</u>

लेनिन ने बड़े- बड़े कारखानों का प्रबंधन एवं नियंत्रण मजदूरों को सौंप दिया। रेलवे, बैंक, खान एवं अन्य उद्योग धंधे सरकारी संपत्ति बना लिए गए। विदेशी कर्जो को अवैध घोषित कर दिया गया और विदेशी पूंजी को जब्त कर लिया गया। जार द्वारा देशी एवं विदेशी महाजनों से लिए गए कर्ज का भुगतान बंद कर दिया गया। निजी संपत्ति की व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया और किसानों में जमींदारों की भूमि बांट दी गई।

<u>संविधान निर्माण</u>

लेनिन ने **1918 ईसवी** में रूस के लिए **प्रथम संविधान** का निर्माण किया। इस संविधान के तहत बोल्शेविक शासित सोवियत रूस को एक संघीय गणराज्य घोषित किया गया और इसका नाम **रूसी सोवियत संघीय समाजवादी गणराज्य (Russia Soviet Federated Socialist Republic,RSFSR)** रखा गया। इस संघ में

Scanned with CamScanner

केंद्रीय रूस के अतिरिक्त पश्चिमी साइबेरिया के क्षेत्र शामिल थे और बाकी क्षेत्रों को स्वायत्तता प्राप्त हुई। इस संविधान के अंतर्गत लोगों को काम करने का मौलिक अधिकार एवं अभिव्यक्ति, भाषण, लेखन, भ्रमण आदि की स्वतंत्रता प्रदान की गई परंतु इन अधिकारों से पादरियों सामंतों, पूंजीपतियों एवं शोषकों को वंचित रखा गया। चर्च को शासन से अलग कर दिया गया। विद्यालयों में धार्मिक शिक्षा की मनाही कर दी गई। सोवियत संघ की राजधानी पेट्रोग्राड के बदले **मास्को** घोषित की गई और राजचिन्ह में **हँसिया और हथौड़ा** निर्धारित किया गया। सत्ता केंद्र **सोवियतों कि कांग्रेस** को घोषित किया गया।

- **1924 का संविधान :** 1918 में सोवियत रूस में मात्र 4 गणराज थे। रूसी समाजवादी संघीय सोवियत गणतंत्र (RSFSR), यूक्रेनियन गणराज्य, बोईलोरुसी तथा ट्राँसकाकेशियाई गणराज्य परंतु अब मध्य एशिया के तीन और गणराज्य ताजिक,कजाक एंव किरगीज शामिल हो गए अतः इसे अब **समाजवादी गणराज्यों का सोवियत संघ (Union of Soviet Socialist Republic,USSR)** का नाम दिया गया। सभी इकाइयों को नए संविधान में स्वायत्तता थी और उनकी अपनी मंत्रिपरिषद और पृथक सोवियतें थी।केंद्रीय संगठन में उनके प्रतिनिधियों का स्थान था। विभिन्न गण राज्यों को संघ को त्यागने का भी अधिकार प्राप्त हुआ। आगे चलकर इसमें

Scanned with CamScanner

नवीन गणराज्य भी शामिल हुए और 1929 तक इनकी कुल संख्या **11** तक पहुंच गई। देश की सर्वोच्च सत्ता सोवियतों की कांग्रेस के हाथों में सौंपी गई। 1924 का संविधान 1936 तक चला।

सामाजिक सुधार

इसके तहत स्त्रियों को पुरुषों के समान राजनीतिक अधिकार प्रदान किए गए। 18 वर्ष से ऊपर के सभी स्त्री-पुरुष को मताधिकार प्राप्त हुआ। स्त्रियों को देश के आर्थिक जीवन में भी हाथ बटाने का पूरा अवसर प्रदान किया गया।

युद्ध कालीन साम्यवाद (War Communism ,1918-1921)

गृहयुद्ध तथा विदेशी हस्तक्षेप से निबटने के लिए लेनिन के नेतृत्व में सारे रूस में एक आपातकालीन व्यवस्था कायम की गई जिसमें सारी राजनीतिक एवं आर्थिक व्यवस्था का विकेंद्रीकरण किया गया जिसे **युद्ध साम्यवाद** कहा जाता है। इसे **समाजवाद में प्रथम कदम(One foot in Socialism)** भी कहा गया है।

To be continued...

BY:ARUN KUMAR RAI
Asst.Professor,
P.G.Dept.of History,
Maharaja College,Ara.

Scanned with CamScanner